सुनहरे हिरण

(कहानी)

13

उत्तर भारत में एक बहुत बड़ा *जंगल* था। वह दो भागों में बँटा हुआ था। दोनों भागों में एक-एक *सुनहरे* हिरण रहते थे। दोनों ने अपना-अपना *दल* बनाया हुआ था। दाईं ओर रहने वाले हिरण का नाम 'वटु' था और बाईं ओर रहने वाले हिरण का नाम 'सुखु' था।

एक बार काशी नरेश भद्रसेन उस जंगल में *आखेट* के लिए आए हुए थे। उनके साथ आए सैनिक नहीं चाहते थे कि सुनहरे हिरणों का शिकार किया जाए। जंगल में वे राजा को इधर-उधर दौड़ाते रहे। हिरण हाथ नहीं आए। तब राजा *निराश* होकर वापस अपनी राजधानी लौट गए।

सैनिकों ने एक *व्याध* की सहायता से उन दोनों हिरणों को पकड़वा लिया और उन्हें राजा के बाग में रखवा दिया। राजा उन हिरणों को देखकर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने शिकार करना छोड़ दिया और खाली समय में उन हिरणों के साथ खेलकर अपना मन बहलाने लगे। परंतु उनके सैनिक बराबर जंगल में जाते और हिरण पकड़कर ले आते।

एक बार वे सैनिक एक गर्भिणी हिरणी को पकड़कर ले आए। हिरणी ने राजा से कहा– "राजन्! मैं गर्भिणी हूँ। आप मुझे मत मारिए। जब मैं अपने बच्चे को जन्म दे लूँगी, तब आप भले ही मुझे मारकर खा लीजिएगा।"

वटु और सुखु नाम के सुनहरे हिरणों की आँखों से आँसू टपकने लगे। राजा ने उन्हें रोते देखा तो पूछा–"तुम दोनों इसे देखकर क्यों रो रहे हो?"

इस पर वटु बोला–"राजन्! यह हिरणी मेरी पत्नी है और सुखु की यह बहन है। यदि यह मर गई तो मेरा बच्चा *अनाथ* हो जाएगा और सुखु अपनी बहन के न रहने से पागल हो जाएगा।"

राजा को वटु की बात सुनकर दया आ गई। उसने उस *गर्भिणी* हिरणी को वहीं अपने *उपवन* में रख लिया और सैनिकों को आदेश दिया कि आज के बाद कोई भी जंगल में आखेट करने नहीं जाएगा। सभी जीवों की हिंसा पर उसने रोक लगा दी। उसके बाद दोनों सुनहरे हिरण और वह गर्भिणी हिरणी राजा के उपवन में सुखपूर्वक रहने लगे। समय आने पर हिरणी ने एक सुंदर सुनहरे हिरण को जन्म दिया। राजा उस बच्चे को देखकर बहुत प्रसन्न हुए।

शब्द-भंडार

जंगल — वन *(forest)*,
दल — समूह *(group)*,
निराश — मायूस *(disappointed)*,
गर्भिणी — गर्भधारण करने वाली *(pregnant)*,
जीव-हत्या — जीवित जीवों को मारना *(vivisection)*,
उपवन — बगीचा *(garden)*।
सुनहरा — सोने के रंग वाला *(golden)*,
आखेट — शिकार *(hunting)*,
व्याध — शिकारी *(hunter)*,
अनाथ — माता-पिता विहीन,
जिसके माता — पिता न हो *(orphan)*,

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

हिरण	आखेट	व्याध	सैनिक	सुनहरे
राजधानी	प्रसन्न	गर्भिणी	राजन	सुखपूर्वक

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जंगल में किस रंग के हिरण रहते थे?

(ख) राजा का क्या नाम था?

(ग) राजा ने सैनिकों को क्या आदेश दिया?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) भारत में किस दिशा में जंगल था?

☐ दक्षिण ☐ उत्तर ☐ पूरब

(ख) भद्रसेन कहाँ के राजा थे?

☐ काशी ☐ वाराणसी ☐ दिल्ली

(ग) जंगल में दाईं ओर रहने वाले हिरण का क्या नाम था?

☐ सुखु ☐ कटु ☐ वटु

(घ) राजा किसके साथ अपना मन बहलाते थे?

☐ शेर ☐ हिरण ☐ चीता

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

गर्भिणी, हिंसा, दल, व्याध, निराश

(क) दोनों का अपना-अपना ..... था।

(ख) राजा ..... होकर वापस लौट आए।

(ग) सैनिकों ने ..... की सहायता से हिरणों को पकड़ा।

(घ) हिरणी ने राजा से कहा–"राजन्! मैं ..... हूँ।"

(ङ) सभी जीवों की ..... पर राजा ने रोक लगा दी।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) सुनहरे हिरणों का नाम क्या था?

(ख) काशी नरेश का नाम क्या था?

(ग) सैनिकों ने हिरणों को क्यों पकड़ लाया?

(घ) खाली समय में राजा क्या करता था?

(ङ) गर्भिणी हिरणी को देखकर राजा को क्या आई?

भाषा-ज्ञान

किसी वस्तु, स्थान, प्राणी आदि के नामों को संज्ञा कहते हैं।

1. जानिए: इनके नाम भी 'संज्ञा' कहलाते हैं–

(क) पर्वतों के नाम – जैसे- हिमालय, कंचनजंघा, विंध्याचल आदि।

(ख) नदियों के नाम – जैसे- गंगा, यमुना, कावेरी, गोदावरी आदि।

(ग) देशों के नाम – जैसे- भारत, जापान, अमेरिका, इंग्लैंड आदि।

(घ) राज्यों के नाम – जैसे- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, नागालैंड आदि।

(ङ) इमारतों के नाम – जैसे- लालकिला, ताजमहल आदि।

(च) महासागरों के नाम – जैसे- हिंद महासागर, लाल सागर आदि।

(छ) महीनों के नाम – जैसे- जून, जुलाई आदि।

(ज) दिनों के नाम — जैसे- सोमवार, रविवार आदि।

(झ) अवस्था के नाम — जैसे- बचपन, जवानी, बुढ़ापा आदि।

(ञ) गुणों के नाम — जैसे- नेकी, सच्चाई, ईमानदारी आदि।

2. वाक्य पूरे कीजिए-

(क) किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान के नाम को ..... कहते हैं। (संज्ञा/सर्वनाम)

(ख) संज्ञा के स्थान पर आने वाला शब्द ..... होता है। (सर्वनाम/संज्ञा)

(ग) जिससे किसी जाति के सभी प्राणियों का बोध हो, उसे ..... संज्ञा कहते हैं। (जातिवाचक/भाववाचक)

(घ) जिससे किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उसे ..... संज्ञा कहते हैं। (समूहवाचक/व्यक्तिवाचक)

क्रियात्मक गतिविधि

- जंगल में रहने वाले जानवरों के चित्र इकट्ठे करके दिए गए स्थान पर लगाकर उनके नाम भी लिखिए।

.....	.....	.....
.....	.....	.....